आओ चलें सम्पूरणता की ओर

❍ 26 / 11 / 14 की मुरली से चार्ट ❍

⇛ TOTAL MARKS:- 100 ⇚

✺ शिवभगवानुवाच :-

➳ _ ➳ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

∬1∬ स्वमान का अभ्यास (Marks:-10)

➢➢ **मैं स्वमानधारी आत्मा हूँ ।**

∬2∬ गुण / धारणा पर अटेंशन (Marks:-10)

➢➢ **अपने टाइटल की स्मृति के साथ समर्थ स्थिति**

∬3∬ बाबा से संबंध का अनुभव(Marks:-10)

➢➢ **टीचर**

∬4∬ होमवर्क (Marks:- 7*5=35)

‖✓‖ "हमारा जो °पार्ट° है वह कभी घिसता मिटता नहीं" - यह स्मृति में रहा ?

‖✓‖ "बाप से जो अविनाशी °ज्ञान रत्नों का अखुट खजाना° मिल रहा है" - यह स्मृति में रहा ?

‖✓‖ "इस बेहद नाटक में कैसे आत्माएं अपने अपने तख़्त पर विराजमान हैं" - इस कुदरत को °साक्षी हो देखा° ?

‖✓‖ "हम °संगम युगी ब्राह्मण° हैं.. हमें बाप की गोद मिली है" - यह सदा बुधी में याद रहा ?

‖✓‖ "°डूबने वालो को बचाना°"- अपना यह कर्त्तव्य याद रहा ?

‖✓‖ "संगमयुग पर °स्वयं बाप अपने बच्चों को टाइटल देते हैं°" - इसी रूहानी नशे में रहे ?

‖✓‖ "मैं आत्मा °स्वदर्शन चक्रधारी हूँ.. महावीर हूँ°" - अपने इन सभी टाइटल की स्मृति बनी रही ?

✺ अव्यक्त बापदादा (05/11/2014) :-

➳ _ ➳ तो सभी खुश और आबाद हैं? हैं? हाथ उठाओ । वाह! वाह बच्चे वाह! कोई भी बात आवे, आप जगे हुए दीपक के सामने आवे तो दीप जग जाए । ऐसे दीपराज आप हो, आपके सामने आते ही वह अपने स्वरूप को जान जाए ।

∬5∬ विशेष अभ्यास (Marks:-15)

➢➢ आज पूरा दिन °खुश और आबाद° अनुभव किया ?

∫∫6∫∫ ज्ञान मंथन (वरदान) (Marks:-10)

➢➢ अपने टाइटल की स्मृति का समर्थ स्थिति बनाने में क्या योगदान होता है ?

❋ अपने टाइटल की स्मृति ही अपने टाइटल का स्वरुप बनने में पहला कदम है ।

❋ अपने टाइटल की स्मृति से ही हम सर्व शक्तियों का आह्वान करते हैं ।

❋ अपने टाइटल की स्मृति से ही नशा चड़ता है ।

❋ जैसी स्मृति होगी वैसी वृत्ति होगी और उसी अनुसार कृति भी होगी।

❋ टाइटल की स्मृति से यह याद रहेगा की "मैं कोन हु,मेरा कर्तव्य क्या है" जिससे कोई भी कर्म साधारण नहीं होगा।

❋ टाइटल की स्मृति से चलते-फिरते वायुमंडल में हमारे वाइब्रेशन फैलेंगे और अनेको की सेवा होगी।

❋ सदेव स्मृति में रहने से उसके स्वरुप बनते जायेंगे जिससे स्वयं को और बाप को प्रत्यक्ष कर सकते है।

❋ टाइटल की स्मृति से श्रेष्ठ स्थिति की सीट पर सेट रहेंगे और उसका प्रैक्टिकल स्वरुप बनते जायेंगे।

∬7∬ ज्ञान मंथन (स्लोगन) (Marks:-10)

➢➢ परखने की शक्ति का भटकती हुई आत्माओं की चाह पूरण करने में क्या योगदान होता है ?

❋ परखने की शक्ति से भटकती को पुरानी देह के मोह से निरमोही बना के सन्तुष्टता के दान से योगदान।

❋ परखने की शक्ति से वाइब्रेशन द्वारा भटकती आत्माओं में पवित्रता का बल भरने का योगदान ।

❋ परखने की शक्ति से भटकती आत्माओं को शान्त कर उनको ख़ुशी का दान देंने का योगदान।

❋ परखने की शक्ति से आत्मिक दृष्टि दे भटकती हुई आत्माओं को उनके असली स्वरूप् की पहचान करा कर।

❋ परखने की शक्ति से भटकती हुई आत्माओं को उनके असली घर का ज्ञान देकर रूहानी ख़ुशी का योगदान देकर।

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

♔ ॐ शांति ♔